an>

Title: Situation arising out of action by Enforcement Directorate in Aircel-Maxis case.

श्री निशिकान्त दुबे (गोड्डा) : माननीय अध्यक्ष जी, मैंने इसी हाउस में एयरसेल मैक्सिस का मामला उठाया था। इसके बाद अभी ईडी की रेड हुई है। ईडी रेड के बाद जो चीजें पता चली हैं, वह देश के जानने के लिए है और जानने की स्थिति यह है कि चोरी और सीनाजोरी किस तरह से यूपीए सरकार कर रही थी। वह सरकार किस तरह से भ्रष्टाचार की गंगोत्री थी। जिसके हाथ में शासन था, वह किस तरह चोरी में लिप्त था। जब यह रेड हुई तो एक मामला आया कि जेडी ग्रुप, वासन हैल्थ केयर जिसमें कांग्रेस के कई बड़े नेता इन्वाल्व थे, आज राजस्थान के पार्टी के अध्यक्ष हैं, उनका भी नाम इसमें आया था।...(व्यवधान) मैं किसी का नाम नहीं ले रहा हूं। खड़गे साहब, मुझे पता है कि एमपी होने के नाते मुझे क्या बोलना है। मैं किसी का नाम नहीं ले रहा हूं।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nishikant ji, address the Chair.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record.

...(*Interruptions*)â€¦ *

HON. SPEAKER: He is not taking any name.

श्री निशिकान्त दुबे : माननीय अध्यक्ष जी, कैट में एक केस चल रहा है, कैट में एक अधिकारी ने कहा कि 223 करोड़ रुपए की ब्लैक मनी की डीलिंग हुई है। सीबीडीटी ने अभी अपना हलफनामा दाखिल किया है, सीबीडीटी ने यह कहा है कि चूंकि अधिकारी ने प्रैस कांफ्रेंस कर दी, वह खिलाफ है लेकिन वास्तविकता है कि 223 करोड़ का कहीं न कहीं घालमेल हुआ है। यह हुआ कैसे? तीन कंपनियां हैं, एक जेडी ग्रुप है, दूसरी ऑसब्रिज है। ऑसब्रिज में पूर्व वित मंत्री के पुत्र का पूरा का पूरा 95 परसेंट मालिकाना हक है। ऑसब्रिज कंपनी एडवांटेज स्ट्रेटेजिक को खरीद लेती है और एडवांटेज स्ट्रेटेजिक वासन हैल्थ केयर में अपने स्टेक को पांच परसेंट बढ़ाती है।...(व्यवधान) अभी ईडी की रेड हुई है। मैं बता रहा हूं, यह पिछली बार का सवाल नहीं है। ...(व्यवधान) वासन हैल्थ के प्रमोटर 29.10.2008 को तीन लाख शेयर खरीदते हैं। तीन लाख शेयर 200 रुपए के हिसाब से खरीदते हैं और 24 घंटे के अंदर एडवांटेज स्ट्रेटेजिक को अपना डेढ़ लाख शेयर दे देते हैं, केवल सौ रुपए में दे देते हैं। इसके बाद 30,000 शेयर सिकवा, जिस पर रेड हुई है, यह नई बात है, यह आपके जानने के लिए है कि सिकवा को 7,500 रुपए में देते हैं। सौ रुपए का शेयर 7,500 रुपए में चला जाता है।

इसमें सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ऑसब्रिज कंपनी 2006 में जिस मोहनन राजेश से खरीदा जाती है, 2011 में उसी को बेच दी जाती है। ऐसा कभी नहीं हुआ कि पांच साल में कोई कंपनी किसी से खरीदी गई और फिर उसी की ऑनर हो जाए। इतने पर भी संतोष नहीं हुआ, मैं बताना चाहता हूं कि इन लोगों को यह लगा कि यदि बेच देंगे तो सारा पैसा खत्म हो जाएगा। इन्होंने क्या किया, बैलेंस तीन लाख शेयर चार लोगों को दिए। चार लोग थे, सी.बी.एन. रेड्डी, बी. रंगराजन। इन लोगों ने अपनी विल बनाई, वह विल 19 जून, 2013 को बनाई। यह सबसे महत्वपूर्ण है कि जो विल बनाई वह एक ही तरह की है। All Wills have been uniformly executed on the same day - 19th June 2013, identical in language and content. In three of them, the first witness is CBN Reddy. In CBN Reddy's Will, it is Ravi Viswanathan. The second witness for all four Wills is one V Murali. वी. मुरली चारों विल को एक्सक्यूट कर रहा है, चारों विल में कहा जा रहा है कि इसका अंतिम पैसा उनकी ग्रैंड डॉटर को जाएगा, पूर्व वित मंत्री की ग्रैंड डॉटर को जाएगा। यह ओपन एंड शट केस है। सीबीआई का केस जो इतने दिन से बंद पड़ा हुआ था, अभी तक एफआईआर नहीं हो रही है।

आज ईडी सिकवा की जो चीजें आई हैं, इस संबंध में मेरा कहना है कि क्या सरकार को पता है कि 88 एकड़ जमीन समरसैट में है। क्या उनका ओपन हायर इन्वेस्टमेंट के साथ ट्रांजेक्शन है? ये सब रेड में पता चला है। वेलिगामा बे रिजॉर्ट एमरल्ड बे होटल में है, उसमें किस आदमी का स्टेक है? दुबई में वाइन याड्र्स और साउथ अफ्रीका में खरीदा गया है, इसमें सिकवा का क्या रोल है। 400 सिंगापुर डॉलर उन्होंने बीवीआई में इन्वेस्ट किया है या नहीं किया है?

सबसे महत्वपूर्ण वेंचर कैपिटल है, मैं आपको बताना चाहता हूं कि सिकवा, जिस पर रेड हुई है। जब रेड होती है तो कहा जाता है कि इस तरह की जो कम्पनियां हैं उसके ईर वेंचर कैपिटल को यदि रोकेंगे तो समस्या आएगी और इससे हमारे यहां इनवेस्टमेंट खत्म होगा। उन्होंने अपनी प्रैस कांफ्रेंस में कहा है कि हमारी इनवेस्टमेंट गूगल और याहू में है। इसके बारे में मैं आपको बताना चाहता हूं कि यूएस सरकार और यूके सरकार इसी सिकुआ की जांच कर रही है कि 44 बिलियन का प्रोफिट एप्पल को दिया गया है, उसमें सिकुआ का रोल है और गूगल में 130 मिलियन का टैक्स दिया गया है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से आग्रह है कि आप एयरसेल मैक्सिस में ईडी की रेड के बाद, क्योंकि ईडी का जो आफिसर जांच कर रहा था, उसकी फाइल को इतना खराब कर दिया है कि उसका प्रमोशन नहीं हो रहा है। इन्होंने चोरी की है और ऊपर से सीनाजोरी करने के लिए मजबूर हैं। यह ओपन-शट केस है। सीबीआई से इसकी एफआईआर पेंडिंग है, उसे तुरंत कोर्ट में दाखिल करके दोषी लोगों को जेल में डाला जाए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्रीमती मीनाक्षी लेखी,

श्री उदित राज,

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल,

श्री राजेन्द्र अग्रवाल,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री सी.पी. जोशी,

श्री सुधीर गुप्ता,

श्री रोड़मल नागर,

श्री शिवकुमार उदासि,

श्री मनोज राजोरिया,

श्री राहुल कास्वां,

श्री शरद त्रिपाठी,

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और

श्री दुष्यंत सिंह को श्री निशिकांत दुबे द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।